नया ज्ञानोदय

जनवरी 15
पृष्ठ 128
30 रुपये

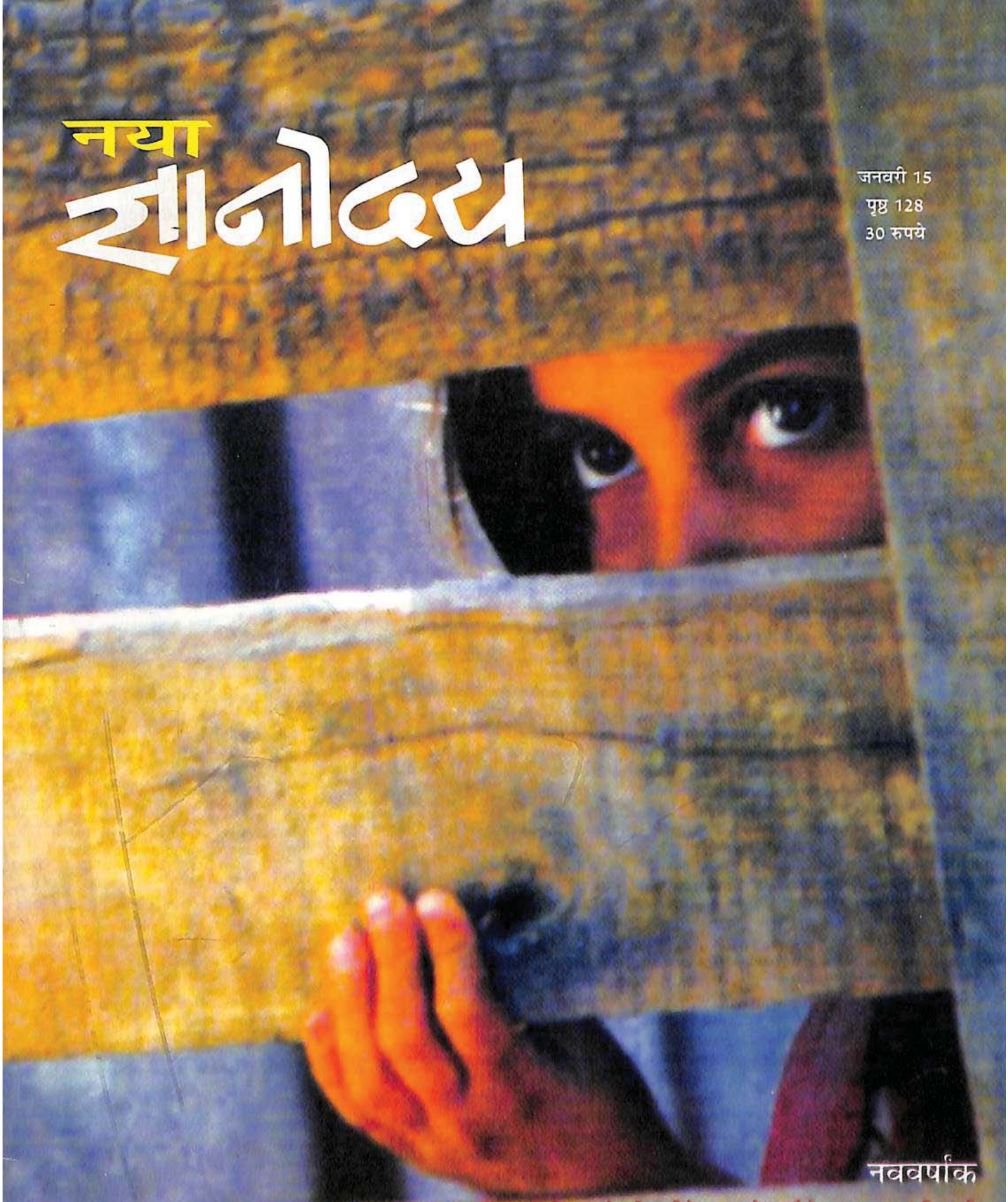

नववर्षांक

एकाग्र : गगन गिल, विलियम हेनरी स्लीमेन, सन्तोष चौबे, रामप्रकाश त्रिपाठी
शैलेन्द्र शैल, रेखा कस्तवार, शशि नारायण स्वाधीन

साथ ही कुँवर नारायण, कैलाश वाजपेयी, रामदरश मिश्र, नन्द चतुर्वेदी
राजनारायण बिसारिया, महीप सिंह, गोविन्द मिश्र, सीताकान्त महापात्र, नीलमणि फूकन,
ज्याँ पाल सार्त्र, निधीश त्यागी, चंडी प्रसाद भट्ट तथा सभी स्थायी स्तम्भ।

भारतीय ज्ञानपीठ

हर अंक विशेष

जनवरी 2015

नववर्षांक

भवदीय / 5

धरोहर

श्रीमन् नारायण : गाँधी : एक व्यक्ति और उसकी विचारधारा / 7

एकाग्र :

स्मृति आख्यान

गगन गिल : चिनिले ना आमारे कि, चिनिले ना ? / 9

विलियम हेनरी स्लीमेन: ठग की भाषा ठग ही जाने / 15

सन्तोष चौबे : शायद मेरे भीतर / 25

रामप्रकाश त्रिपाठी : निराला कॉफी हाउस में मनोहर वर्मा / 29

शैलेन्द्र शैल : कमबख़्त आदमी नहीं चुम्बक / 32

रेखा कस्तवार : छूटे लम्हों की आहटें / 36

शशि नारायण स्वाधीन : कहाँ गये वो लोग जो दिल में बसते थे / 39

कविता समय

कैलाश वाजपेयी : गेहूँ / 45

रामदरश मिश्र : चारपाई, जंगल आँखों में / 45

नन्द चतुर्वेदी : केश-चिन्ता, प्रेम के ढाई अक्षरों का एस.एम.एस. / 46

राजनारायण बिसारिया : तीर तुक्का / 46

कथालोक

महीप सिंह : अन्तराल / 47

गोविन्द मिश्र : उल्टी हवा / 51

सन्तोष दीक्षित : माँ की दुनिया की कहानियाँ / 55

ए. असफल : राधाकृष्ण / 59

अन्त:भारती

पंजाबी कहानी

साँवल धामी : मल्हम / 66

कविताएँ

सीताकान्त महापात्र : चाँदनी रात, रेल यात्रा / 74

नीलमणि फूकन : इतिहास, काँटे, गुलाब और काँटे
युगोस्लाव शहीदों की स्मृति में / 74

मनप्रसाद सुब्बा : आजकल वह, बेचारी आग / 75

पार अपार

ज्याँ पॉल सार्त्र : दीवार / 76

कविता समय

निशीध त्यागी : कश्मीर / 84

चन्द्रभूषण : कुछ न होगा तो भी कुछ होगा / 84

रामकुमार आत्रेय : एक गोधरा मेरे भीतर / 84

वसन्त सकरगाए : विरासत के लिए शब्द-नि:शब्द / 84

अभय : दु:खद दौर, ख़ामोशी के विरुद्ध / 85

रमेश कुमार बर्णवाल : चप्पल / 86

नीरजा माधव : किसी बादल की ओट से,
गदबदी गुड़िया का सपना / 86

कला परिसर

अमरेन्द्र कुमार शर्मा : नवजागरण में कलाएँ : एक संक्षिप्त
यात्रा परिदृश्य / 87

रवीन्द्र त्रिपाठी : ये दुख अतिरिक्त लगता है / 93

विनय उपाध्याय : यह परम्परा में स्त्रियों का समय है / 96

बीज की आवाज़

कहानी

मंजुला श्रीवास्तव : आम का मौसम / 99

कविताएँ

पूनम शुक्ला : मशीनी हाथ, अब वह फिर से पढ़ेगा / 102

शोभा मिश्रा : मेरा आधा-अधूरा गाँव / 103

शैलजा पाठक : सवालों की तख्तियाँ / 103

अन्त:करण

चंडी प्रसाद भट्ट : पूर्वी घाट का प्रलय / 104

ललित निबन्ध

आभा भारती : खजूर और पीपल की जुगलबन्दी / 108

थाह अथाह

कुँवर नारायण : 'विभास' को पढ़ते हुए /113

विजय कुमार : कविता में भरोसेमन्द आवाज़ें / 114

दिविक रमेश : माँ का जवान चेहरा : मेरे पहलम पहल नोट्स / 116

पंकज पराशर : अनसुनी प्रार्थनाओं का ईश्वर / 118

ज्ञान चतुर्वेदी : एक थी मैना, एक था कुम्हार / 121

सवाईसिंह शेखावत : चुप्पियों के हवाले से बोलने का हक़
अदा करती कविता / 123

प्रासंगिक

जीवन सिंह ठाकुर : ओह! पेशावर / 125

संग साथ

महेश्वर : कहानी में नवाचार / 126

चिट्ठी रसा / 127

आवरण-चित्र व रेखांकन : मनोहर काजल, साज-सज्जा : चन्द्रकान्त शर्मा

हर अंक विशेष

फरवरी 2015

भवदीय / 4

पुरखों के कोठार से

हजारीप्रसाद द्विवेदी : विमल वाणी सन्त रैदास की / 6

सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला : चरण छूकर कर रहा मैं नमस्कार / 7

आखर सगुन : महादेश—स्वप्न और यथार्थ

राधावल्लभ त्रिपाठी : मुक्ति अभी भी एक स्वप्न है / 9

रामकुमार कृषक : दुर्भाग्य कहिए या विडम्बना / 10

जानकी प्रसाद शर्मा : सकारात्मक स्थितियों की सीमित-सी सम्भावना / 11

अनामिका : कशमकश तो बनी ही रहती है / 11

जितेन्द्र श्रीवास्तव : नयी सूरत निकल तो सकती है / 12

अजय नावरिया : जाति, धर्म, भाषा और प्रान्त से निरपेक्ष स्वप्न / 12

प्रभाकिरण जैन : महादेश की कल्पना का सच / 13

स्मृति-शेष

नन्द भारद्वाज : एक ईमानदार दुनिया के लिए कविता / 15

प्रांजलधर : सर्वस्पर्शी कहानी का और कहानीकार का कल और आज / 20

कथा एकाग्र : नया ज्ञानोदय विशेष

अल्पना मिश्र : नीड़ / 25

अजय नावरिया : याचनापत्र / 31

भूमिका द्विवेदी : दाँव / 39

गीताश्री : डुबकी / 46

इन्दिरा दाँगी : सीता की लट / 53

जयश्री रॉय : ड्राइविंग लाइसेंस / 57

प्रत्यक्षा सिन्हा : मैं होता एक पक्षी विशाल / 63

पंकज सुबीर : लव जिहाद उर्फ उदास आँखों का लड़का / 67

राकेश तिवारी : कीच / 75

सीमा आज़ाद : सरोगेट कंट्री / 85

तरुण भटनागर : दवा, साझेदारी और एक आदमी / 90

उमा शंकर चौधरी : कम्पनी राजेश्वर सिंह का दुख / 98

कविता समय

लम्बी कविता

रमेशचन्द्र शाह : महाकाल की देहरी पर / 110

बीज की आवाज़

जसिन्ता केरकेट्टा : गिद्ध-दृष्टि, एक अभयारण्य इंसानों का, भेड़ों के हक़ में, ओ शहर, क्यों बदल रहा रंग /112

पुस्तक मेले में

ब्रजेश कानूनगो : किताब की आख़िरी पंक्ति तक / 113

थाह अथाह

अनन्त विजय : दशक की राजनीति का दस्तावेज़ /114

लगे हाथ

रमेश उपाध्याय : 'विखंडन' में सब ठीकठाक है /118

निन्दक नियरे

मुकेश कुमार : मीडिया के सनसनीवादी दौर में रचनाकारों की स्थिति /121

इस दौर में

प्रियदर्शन : जब रोमन में हिन्दी लिखी जाएगी /124

संग-साथ

महेश्वर : गाथा 'बोरुंदा' की /127

चिट्ठी रसा / 128

ख़ुशकलामियाँ / 129

हमन दुनिया से यारी क्या

ज्ञान चतुर्वेदी : सेंसेक्स का फन्दा /130

आवरण चित्र : महान कथा-शिल्पी **चन्द्रधर शर्मा गुलेरी**

आवरण : महेश्वर, रेखांकन : नलिनी मिश्र, साज-सज्जा : चन्द्रकान्त शर्मा

हर अंक विशेष

मार्च 2015

भवदीय / 5

पुरखों के कोठार से

महादेवी वर्मा : सच्चा साहित्य गतिमयी कर्मधारा है / 9

कविता

कालिदास, गिरिजाकुमार माथुर : ख़ुशबू बहुत है ! / 10

सम्पूर्ण व्यंग्य उपन्यास

शिव शर्मा, रोमेश जोशी : हुजूर-ए-आला / 11

आखर सगुन

कल का व्यंग्य और व्यंग्य का वर्तमान संकट

सूर्यबाला : डिमांड और सप्लाई की अफरातफरी / 68

प्रदीप पन्त : विचारधारा तो क्या कोई विचार ही नहीं / 69

ज्ञान चतुर्वेदी : व्यंग्य बेहद संजीदा कर्म है / 69

रोमेश जोशी : किसने कहा है कि घटिया व्यंग्य छापो ! / 70

गिरीश पंकज : कल जैसा व्यंग्य अब सम्भव नहीं / 70

प्रेम जनमेजय : व्यवस्थित व्यंग्य विमर्श का सशक्त दौर / 71

रंग-अन्तरंग

नजीर बनारसी : सब्ज़परी / 72

जीवन लाल वर्मा विद्रोही : आपकी दिल्ली / 72

व्यंग्य

पु. ल. देशपांडे : मेरी अध्यात्म साधना / 73

शरद जोशी : नरीमन प्वाइंट के दार्शनिक / 77

श्रीकान्त वर्मा : साहित्यकार के प्रति एक नेता की श्रद्धांजलियाँ / 80

कुँवर नारायण : मुंशी जी / 83

इम्तियाज अली 'ताज' : चचा छक्कन ने सबके लिए केले ख़रीदे / 85

प्रेम जनमेजय : ओम गन्दगीआय नम: / 89

हरीश नवल : आसमान से गिरा नैनसुख / 92

उपेन्द्र कुमार : क़ानून और व्यवस्था / 95

व्यंग्य-नाटक

कर्तार सिंह दुग्गल : मुझे सुनाई नहीं देता ! / 98

कविता

केदारनाथ अग्रवाल : बसन्ती हवा / 105

संग साथ

प्रस्तुति महेश्वर : विश्व पुस्तक मेला 2015 / 106

व्यंग्य कहानी

मृत्युंजय तिवारी : अधिकार / 108

हर अंक विशेष

अप्रैल 2015

भवदीय / 5

पुरखों के कोठार से

सीएट्ल : मेरे लफ़्ज सितारों की तरह हैं / 7

विशेष : साक्षात्कार एकाग्र

टोनी मॉरिसन से एलिजा शैपल की बातचीत / 10
श्रीलाल शुक्ल से रश्मिशील की बातचीत / 18
सल्वाडोर डाली और मेलिना मरकरी की बातचीत / 22
स्टीफन स्पेंडर से राजीव मेहरोत्रा की बातचीत / 26
कुँवर नारायण से अमरनाथ प्रजापति की बातचीत / 29
विनोद कुमार शुक्ल से सत्ती खन्ना की बातचीत / 32
चन्द्रकान्त देवताले से प्रदीप मिश्र की बातचीत / 36
मृणाल पांडे से अंजुम शर्मा की बातचीत / 44
जगदम्बाप्रसाद दीक्षित से रासबिहारी पांडेय की आखिरी बातचीत / 48
अमृतलाल वेगड़ : मुलाक़ात ख़ुद की ख़ुद से / 51

कथालोक

जितेन ठाकुर : नुचे पंखों वाली तितली / 53
उपासना : कार्तिक का पहला फूल / 59

लघुकथा

अंकुश्री : नदी और पहाड़ /108

समाज

सिन्धुताई सपकाल से सुनील केशव देवधर की बातचीत / 63

कला परिसर

मक़बूल फिदा हुसैन से प्रेमचन्द्र गोस्वामी की बातचीत / 67
अब्दुल लतीफ ख़ाँ से मनोहर वर्मा व
महेन्द्र गगन की बातचीत / 69
रघुवीर यादव से विशाखा राजुरकर की भेंट / 74

कविता समय

पंकज बिष्ट : मिट्टी के घोड़े / 76
बाबुषा कोहली : कई तरह से बनती है आग, सफ़ेद फूल / 79

ज्ञानपीठ पुरस्कार 2014 से पुरस्कृत

भालचन्द्र नेमाड़े से दामोदर खड़से की बातचीत / 81

शब्द निवेश

मधुरेश : लूकॉच और ऐतिहासिक उपन्यास / 85

अन्तःकरण

प्रज्ञा : एक ज़िन्दगी स्थगित—अरुण प्रकाश / 91

थाह अथाह

सूरज पालीवाल : विचारहीन समाज का अँधेरा /95

राहुल अवस्थी : प्रवासी जीवन का रेखांकन /98

अनिल पुष्कर : जहाँ स्त्री आकाश नापती है /99

अनन्त विजय : बेबाक ज़ुबा, बेख़ौफ अन्दाज़ /102

राधेश्याम तिवारी : समय की वाहक हैं केदारनाथ अग्रवाल की कविताएँ /104

लगे हाथ

रमेश उपाध्याय : किराये की कोख किराये का देश /106

अन्तः भारती

समीर ताँती : कैसे मिलूँ तुमसे, तुमसे प्यार है, इसलिए जीवन का आदि-अन्त खेती / 109

शंख घोष : क्रमानुसार, छुट्टी, बारिश हुई थी राह में उस दिन अनन्त आधी रात को /110

आज का दौर

प्रियदर्शन : अभिव्यक्ति के ख़तरे उठाने होंगे / 111

निन्दक नियरे

मुकेश कुमार : मार्केटिंग की भेंट चढ़ती गुणवत्ता ? /112

संग साथ

महेश्वर : आधी सदी का विकास आख्यान / 114

पार-अपार

गैब्रियल गार्सिया मार्खेज़ : गैलिशियर में बारिश / 115

चिट्ठीरसा / 117

ख़ुशकलामियाँ / 118

हमन दुनिया से यारी क्या

ज्ञान चतुर्वेदी : रिश्वत पर एक नोटवादी चिन्तन / 119

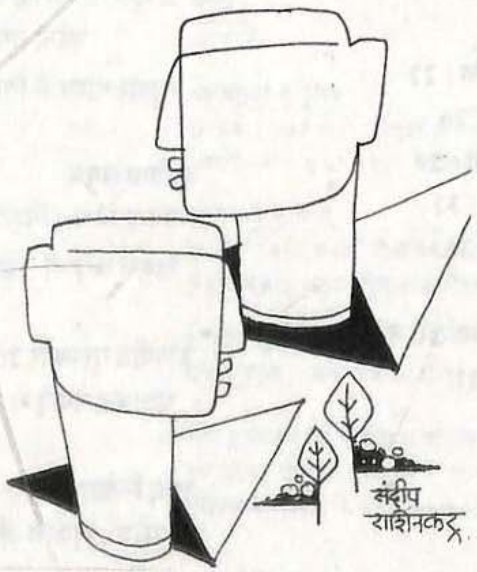

आवरण चित्र : सफ़दर शामी, भीतरी रेखांकन : सन्दीप राशिनकर, आवरण व साज-सज्जा : चन्द्रकान्त शर्मा

हर अंक विशेष

मई 2015

भवदीय / 5

पुरखों के कोठार से

भीष्म साहनी : लेखक और उसका युग / 7

भीतर नैन बिसाल

नूर ज़हीर : पड़ोसी देशों के अन्तर्सम्बन्ध और साहित्य / 14

कथालोक

अफ़गानिस्तान

अब्दुल वकील सुलापाल : वह आवाज़; डरी हुई गुड़िया / 18

पाकिस्तान

हसन मंसूर : रखवाला / 21

बांग्ला देश

झरना रहमान : बटुये में सहेजी तस्वीर / 24

भूटान

सोनम ओगामी : शांग्रीला के शिखरों से / 28

नेपाल

लोचन तारा तुलाधर : प्रतिशोध / 34

श्रीलंका

दया दिसानायके : गाँव में साइबर-कन्या / 37

मालदीव

इब्राहीम वाहिद 'कल्लावेही' : टोनहा / 42

म्यांमार

खिन ह्लिन यु : वजह / 45

भारत

मृणाल पांडेय : मन्दिर / 49

रणेन्द्र : सरेंडर जतरा / 54

कविता समय

पाकिस्तान

ज़ाहिद डार : जवाल का दिन, लड़कों का गीत, एक दुआ / 62

जीशान साहिल : नज़्म, ताद्योशदोज़ेविच के लिए, तालिबान, एक ख़ुदक़श नज़्म, सचिन तेन्दुलकर के लिए, जंग के दिनों में, हाराकिरी, काश कोई, तुम्हारा गाँव, बारिश में एक जहाज़, बारिश में एक चिड़िया, सितारों पर एक नज़्म / 63

बांग्ला देश

झरना रहमान : कविता के पंछी / 65

म्यांमार

यू जेया : इन्तज़ार अपार उम्मीद के साथ / 66

नेपाल

केशव सिग्डेल : रंग सूरज का, उत्कंठा, लापता आफ़ताब / 66

भारत

शाहिद मीर : राग भैरवी, राग दरबारी, राग पूरबी, राग बागेश्वरी राग यमन कल्यान, राग ललित / 68

चन्द्रकान्त देवताले : न फ़क़त मुकम्मल चितेरे तुम, तुम्हें जो करना हो कर लेना, ख़ुद पर निगरानी का वक़्त / 69

भारत : उर्दू उपन्यास

रतन सिंह : साँसों का संगीत /71

कविता समय : अन्त:भारती

वीरभद्र कार्कीढोली : इस वक़्त तुम कहाँ हो प्रभु ?, फिर उसी जगह आ पहुँचा हूँ / 102

ओ.एन.वी. कुरुप : जन्म-मरण की बेलाएँ / 103

सीताकान्त महापात्र : सारी रात वह देखता रहा / 103
जी.वी. बसवराजु : रोशनी का दरवाज़ा, दयानिधान, बिल्ली की बात / 103
के. सच्चिदानन्दन : तीक्ष्ण / 104
अशोक कोतवाल : प्रमाण पत्र, कैंडल मार्च / 104
वेद राही : पक्षी, सिलसिला / 105
नीतू अरोड़ा : हे कविता / 106
मोहन हिम्मथाणी : बुद्ध पूर्णिमा / 106

कला परिसर

भारत

ईशमधु तलवार : एक पूरी फ़िल्म का अधूरा सफ़र / 108

भूटान

यादवेन्द्र : भूटान की फिल्मों का परिदृश्य / 112

श्रीलंका

विजय शर्मा : फिल्मों के आईने में श्रीलंका / 114

बांग्ला देश

महेश्वर : डॉक्यूमेंट्रीज से झाँकता बांग्लादेश / 118

स्मरण

शैलेन्द्र कुमार त्रिपाठी : हर मौसम का गायक, नये ज़माने का बच्चा / 119

जिन्हें भुलाना मुश्किल है

सुरेश सलिल : गुंटर ग्रास : एक अपराजित योद्धा / 120
डी. जयकान्तन : कहानी—दाम्पत्य / 122
प्रयाग शुक्ल : साहित्य पारखी लेखक मित्र / 128
ओम निश्चल : निर्बन्ध, निर्मल और सूफी कवि-मन / 131
बलराम : बड़े ज़िन्दादिल लेखक थे मुद्गल जी / 135

पाकिस्तान : यात्राएँ ख़त्म नहीं होतीं

मनोहर बाथम : आत्मीय यात्रा के सुखद पड़ाव /138

इस दौर में : पड़ोस का साहित्य

प्रियदर्शन : जिनका घर हड़प्पा है / 145

निन्दक नियरे राखिये

मुकेश कुमार : कट्टरवाद के साये में दक्षिण एशियाई मीडिया /147

लगे हाथ

रमेश उपाध्याय : क्रान्ति के यूटोपिया से ज़िहाद के डिस्टोपिया तक /149

पड़ोस देशों की किताबें

अनंत विजय : जासूसी नहीं बेबसी की दास्ताँ / 151

चिट्ठीरसा / 153

ख़ुशकलामियाँ / 154

आयोजन / 155

आवरण चित्र : मनोहर बाथम, भीतरी रेखांकन : सविता, आवरण व साज-सज्जा : चन्द्रकान्त शर्मा

हर अंक विशेष

जून 2015

भवदीय / 5

पुरखों के कोठार से

कपिला वात्स्यायन : भारतीय कला : समग्रता की खोज / 9

भीतर नैन बिसाल

वैभव सिंह : तेरा शहर कितना अजोब है / 15

अनिल जैन : इन्हें अभी सभ्य होना है / 23

एकाग्र

आपदा और पर्यावरण

पानी बाबा राजेन्द्र सिंह से ईशमधु तलवार की बातचीत / 27

गोपालकृष्ण गाँधी : भूकम्प का सामना हम बखूबी कर सकते हैं / 30

विष्णु नागर : भूकम्प और ईश्वर / 32

देवेन्द्र मेवाड़ी : भूकम्प के साये में / 36

आलोक प्रभाकर : पृथ्वी की सनक / 39

पंकज चतुर्वेदी : पेड़-पौधे भी हैं तस्करों के निशाने पर / 42

इस दौर में

प्रियदर्शन : भूकम्प के बाद कुछ काँपते ख़याल / 45

आखर सगुन

अनिल पी. जोशी : कुछ करने का वक़्त / 47

विष्णुचन्द्र शर्मा : आपदा एक दुखद आख्यान है / 48

हरिपाल त्यागी : पृथ्वी से नहीं है शिक़ायत / 48

नितीश प्रियदर्शी : विकास या फिर विनाश / 49

अमिताभ पांडे : हम मालिक नहीं हैं / 49

कथालोक

महेश कटारे : फागुन की मौत : बतर्ज क़िस्सा / 51

राजेश जैन : ग्रीन देवता / 61

आशा प्रभात : चौथा कन्धा / 65

अन्तःभारती

ओड़िया कविता

हरप्रसाद दास : दिल्ली : मीर तकी 'मीर' (1723-1510), मोमिन खाँ 'मोमिन' (1800-1851), मिर्जा असदुल्ला खाँ 'गालिब' (1797-1869) / 72

नवलेखन

कहानी

जितेन्द्र बिसारिया : हाथी / 74

कविता

दिलीप शाक्य : नींद के पहाड़, एक पीली शाम के दरीचों से / 77

पार अपार

यादवेन्द्र पांडेय : मुराकामी की भूकम्पभेदी कहानियाँ और हम / 78

कविताएँ

एर्नेस्तो कार्देनाल : बस से अमेरिका का सफ़र करते हुए, निकारागुआ झील पर, सेलफोन, तारों की धूल / 80

कविता समय

विश्वनाथ प्रसाद तिवारी : निराशा / 82

कुमार प्रशान्त : हिमालय : एक, हिमालय : दो / 82

निरंजन श्रोत्रिय : न लिखने का कारण, मैं, मंशा, अपराधी साँवली लड़की के लिए, कन्धे / 84

अनिल गंगल : खोखे, गाढ़े अँधेरे के पर्दे के पीछे से, पानी से भरे घड़े / 84

नित्यानन्द गायेन : उदारवादी लोग, साँप का ज़हर पानी निकला, गुलाबी के सपने, जीवन के कुरुक्षेत्र में / 85

रंजना श्रीवास्तव : भूकम्प के बाद / 86

सुजाता : मुझे कविता कहने की आदत अब तक तो न थी, तुम्हें चाहिए एक औसत औरत, नहीं मरूँगी मैं / 87

मजीद अहमद : वे लड़कियाँ / 88

राग तेलंग : जल गाथा-1, जल गाथा-2, कोयला यानी आग को सबने पाला है, इस कहानी पर विश्वास मत करिए / 88

अन्त:करण

विजय बहादुर सिंह : ठाकुर साहब / 90

स्वयं प्रकाश : साहित्यकारों का सेनापति / 98

मोहन सगोरिया : असारता में सार ढूँढ़ते लोग / 102

लगे हाथ

रमेश उपाध्याय : वैचित्र्य से यथार्थ को सामने लाने की कला / 107

थाह अथाह

अरुण होता : व्यापक सरोकार की कविताएँ / 109

ओमा शर्मा : एक अपूर्व मनोख्यान / 112

मोतीलाल : ईश्वर के पीछे का कारोबार / 114

संग-साथ

महेश्वर : समय को नापती पुस्तक / 117

निन्दक नियरे

मुकेश कुमार : मीडिया भी एक आपदा है / 118

चिट्ठीरसा / 120

आयोजन / 121

हमन दुनिया से यारी क्या

ज्ञान चतुर्वेदी : उत्तर आधुनिकिये / 122

आवरण चित्र : सफ़दर शामी, भीतरी रेखांकन : राधेलाल बिजधावने, आवरण व साज-सज्जा : चन्द्रकान्त शर्मा

हर अंक विशेष

जुलाई 2015

भवदीय / 5

पुरखों के कोठार से

प्रेमचन्द : कहानी—वफ़ा की देवी / 9

शब्द निवेश

रमेश कुन्तल मेघ : इक्कीसवीं सदी के लिए आलोचिन्तना / 21

मैनेजर पाण्डेय : जयशंकर प्रसाद की कामायनी और मुक्तिबोध / 24

श्रीभगवान सिंह : हिन्दी रचनाशीलता में स्त्री-मुक्ति की गाँधीवादी अनुगूँज / 28

कर्मेन्दु शिशिर : अल्लामा शिब्ली नोमानी और उर्दू नवजागरण / 35

गोबिन्द प्रसाद : मुक्तिबोध की कविता परिपूर्ण का आविर्भाव / 44

श्याम मनोहर : फिक्शन भी है ज्ञान की शाखा / 51

धीरंजन मालवे : डिजिटल क्रान्ति : विश्व और भारत / 54

कृपाशंकर चौबे : बांग्ला दलित आत्मकथा : अविराम यात्रा / 62

आखर सगुन

दलित वैचारिकता और प्रो. तुलसीराम का लेखन / 74

विश्वनाथ त्रिपाठी, मैनेजर पाण्डेय / 75

इब्बार रब्बी, अनामिका / 76

देवेन्द्र चौबे, श्योराजसिंह बेचैन / 77

अजय नावरिया, रजतरानी मीनू / 78

कथालोक

गोविन्द उपाध्याय : वानप्रस्थ / 79

सोमा बन्द्योपाध्याय : दूसरी मिनी / 83

लघुकथा

अशोक भाटिया : नमस्ते की वापसी / 73

कविता समय

पुरुषोत्तम अग्रवाल : हिन्दी सराय में ताकुर दाउरा, ग्वालियर, मेवाड़ में कृष्ण, नालन्दा, वसीयत / 87

एकान्त श्रीवास्तव : खुली आधी पीठ, लोरी, देवी, फागुन / 89

उपेन्द्र चौहान : घोटुल, बारलाक, हिबाकुशा, हसीना / 90

विज्ञान भूषण : दु:ख का आयतन, तथागत तुमने कहा / 93

अन्त:करण

सुधीर सक्सेना : डोला कगान—मुलाकात यहूदी की बेटी से / 94

राजेन्द्र लहरिया : दन्तकहानी : जैसा जीवन बनाम सृजनकर्म / 98

श्रीप्रकाश शुक्ल : सिक्किम का स्वर्गधाम : वाया मुर्गे की गर्दन / 105

हर अंक विशेष

अगस्त 2015

भवदीय / 5

पुरखों के कोठार से
गौरापन्त शिवानी : विश्व कवि रवीन्द्रनाथ का जीवन-दर्शन / 7

ज्योति बरै दिनराती
मलय : दूरदृष्टि के पैरोकार परसाई / 13

शब्द निवेश
चन्द्रभान सिंह यादव : दलित आत्मकथाओं में स्त्री और लोकजीवन / 22
आकृति चन्द्रा : उपन्यासों के उदय की पृष्ठभूमि... / 26

आखर सगुन
विकास- सुशासन : आशा- प्रत्याशा—एक युवा दृष्टि / 31
संगीता मौर्या, पूजा गुप्ता / 31
अमरनाथ प्रजापति, अविनाश मिश्र, प्रीति, विश्वजीत कुमार / 32
निकिता जैन, शिल्पी गुप्ता, सुनील केरकेट्टा / 33
दिव्यानन्द, सतेन्द्र कुमार शुक्ल, लल्टू कुमार / 34

कथालोक
शीरीं नियाज़ी : वादी के गीत / 35
चाँद दीपिका : कयामत से कयामत तक / 38

लघुकथा
कमल चोपड़ा : मंडी में रामदीन / 37
रत्नकुमार साँभरिया : लाल आँसू / 40

लोकमंगल
मीनाक्षी नटराजन : अंगची-सुन्दरी / 41
रश्मि रमानी : जैसी करनी वैसी भरनी / 44

अन्त:करण
बुद्धिनाथ मिश्र : कन्या है, सुहागिन है, जगत माता है / 50
गोविन्द माथुर : गुड़वाली / 55

अन्तर्यात्रा
रवीन्द्र त्रिपाठी : एक खोयी हुई जगह / 57

अन्त:भारती
कन्नड़ कहानी
अदीब अख़्तर : ओस का पिंजरा / 63
पंजाबी कविता
जगतारजीत : रेत पर नाव / 67

कविता समय

शेखर जोशी : इस बार मेघालय, ओखल नृत्य / 68

पुष्पेश पन्त : कमलेश की याद में / 69

महेन्द्र गगन : दुख-जल, स्त्री होना नहीं भूलती दादी बेटियाँ, शुगर, गंगोत्री / 70

सुधीर मोता : उस दिन, पिता : एक, पिता : दो / 71

शंकरानन्द : ये ज़िद, बिजली, अँगूठे का निशान मुड़ने के बारे में, ज़रूरी नहीं, आधी रात / 73

भास्कर चौधुरी : आजमगढ़ के भीतर कोई गाँव, अम्मा के हिस्से का दूध, हँसी, थूक, धर्म : एक धर्म : दो, गाज़ा पट्टी पर ईद / 74

प्रत्यूष मिश्रा : नेपाल में भूकम्प / 76

पार अपार

वसीली कामिन्स्की : मायकोव्स्की मेरा हमदम, मेरा दोस्त / 78

एड्विड्ज डांटिकैट (हैती) : मृत्यु पूर्व प्रार्थना / 85

बीज की आवाज़

सुमित चतुर्वेदी : ढाका चित्रावली / 88

तिथि दानी : डरे हुए लोग, उस चिड़िया की आवाज़, गुमनाम, अजानी दिशा में / 89

पारुल पुखराज : किसके हाथ उठाते हैं कौर, भारहीन शब्द, अजानी दिशा में / 90

धर्मवीर यादव 'गगन' : मैं दलित हूँ / 91

लगे हाथ

रमेश उपाध्याय : पितृसत्ता और साम्प्रदायिकता का मारक मेल /92

थाह अथाह

वन्दना चौबे : ईश्वर से मनुष्य होने का आख्यान /94

जगमोहन चोपड़ा : यथार्थ को अतिक्रमित करती कविताएँ / 98

हीरालाल नागर : अभिव्यक्ति का संकट और हमारा समय / 100

प्रांजल धर : चकाचौंध रोशनी में घने अँधेरे के दलदली टापू / 102

संग-साथ

महेश्वर : कहने को है बहुत कुछ / 104

ख़ुशकलामियाँ

प्रस्तुति : सुधीर निगम / 105

चिट्ठीरसा / 107

हमन दुनिया से यारी क्या

ज्ञान चतुर्वेदी : एक ख़ूबसूरत खंजर /108

आवरण चित्र : बंशीलाल परमार, भीतरी रेखांकन : अनुप्रिया, आवरण व साज-सज्जा : चन्द्रकान्त शर्मा

हर अंक विशेष

सितम्बर 2015

भवदीय / 5

पुरखों के कोठार से

पं. माखनलाल चतुर्वेदी : साहित्य के चिन्तक की लाचारी / 7

भीतर नैन बिसाल

प्रकाश मनु : राजर्षि टंडन : जिनकी साँस-साँस हिन्दी के लिए समर्पित थी / 9

अरविन्द कुमार : कोश, थिसारस और हिन्दी— मेरे अनुभव / 17

पंकज पराशर : न सताइश की तमन्ना न सिले की परवाह / 21

एकाग्र : हिन्दी दर हिन्दी

अनुराधा महेन्द्र : अनुवाद की संस्कृति और हिन्दी / 27

सूरज पालीवाल : हिन्दी का वैश्विक भविष्य / 34

शम्भु गुप्त : हिन्दी का बहुविध प्रसार / 39

हेरम्ब चतुर्वेदी : आधुनिक हिन्दी के प्रारम्भिक विकास पर कुछ प्रकाश / 42

बालेन्दु दाधीच : सुविधा के फेर में मानकीकरण की बलि / 52

ओम निश्चल : भाषा की खादी / 58

अनंत विजय : सोशल मीडिया पर हिन्दी का दबदबा / 65

आखर सगुन

हिन्दी का भूमंडलीकरण और भूमंडलीकरण में हिन्दी / 68

प्रो. कृष्ण कुमार, / 68

धनंजय वर्मा / 69

रमेश दवे / 70

कविता वाचक्कनवी / 70

तेजेन्द्र शर्मा / 71

स्नेह ठाकुर, कृष्णबिहारी / 72

अर्चना पैन्यूली / 73

वन्दना मुकेश / 74

प्रवासी कहानियाँ

ज़किया जुबैरी : तमाम उम्र का हिसाब... / 75

जय वर्मा : कोई और सवाल? / 80

अन्तःकरण

प्रकाश दुबे : चीन का बेतकल्लुफ चेहरा / 85

शैलेन्द्र शैल : धूप में चलते-चलते घने पेड़ की छाँह / 88

पार अपार

निकानोर पार्रा : वह कल्पित मनुष्य/रहता है कल्पित हवेली में / 92

निकानोर पार्रा की कविता / 92
सुरेश सलिल : सौ पार निकानोर पार्रा / 93
प्रवासी कविता
मोहन राणा : स्टेप्लटन रोड स्टेशन / 96
कमरा नम्बर 111, अवन्ति / 97

कविता समय
मनोहर बिल्लौरे : मिल-जुलकर / 98
धुआँधार में / 99
विनय सौरभ : स्मृति यात्रा, कोई-सा दिन / 100
इसी राग पर, और अन्त में / 101
रति सक्सेना : वेरिकोस / 101
घुटनों का दर्द, माइग्रेन, एक ऋचा फिर
माइग्रेन के लिए, मकड़ियाँ / 102
उपेन्द्र कुमार : माँ की तस्वीर, पुकार का अन्त नहीं होता / 103
अन्नपूर्णा / 104
भगत सिंह सोनी : चेहरा, आईना / 104

कथालोक
कृष्णा अग्निहोत्री : सत्तू की कहानी / 105

लगे हाथ
रमेश उपाध्याय : हत्याओं का नीतिशास्त्र और
हत्यारों का सौन्दर्यबोध / 110

थाह अथाह
ज्योतिष जोशी : सुन्दर की आकांक्षा का नाउम्मीद स्वप्न / 112
श्याम शर्मा : साहित्य के बिखरे पन्नों का अवलोकन / 115
रजनी गुप्त : मायावी महाअरण्य का आँखों देखा हाल / 116

सामयिकी
प्रियदर्शन : विचारों की कमी, विषयों की अधिकता / 119

निन्दक नियरे राखिए
मुकेश कुमार : मीडिया के कारखाने में हमारी हिन्दी / 120

ख़ुशकलामियाँ
प्रस्तुति : यश मालवीय / 122

चिट्ठीरसा / 123

हमन दुनिया से यारी क्या
ज्ञान चतुर्वेदी : कटखना कुत्ता और आदमी / 124

आवरण चित्र : मनोहर काजल, भीतरी रेखांकन : सिद्धेश्वर, आवरण व साज-सज्जा : चन्द्रकान्त शर्मा

हर अंक विशेष

अक्टूबर 2015

भवदीय / 5

पुरखों के कोठार से

जैनेन्द्र कुमार : श्रीमती रमा जैन : संस्कृति-वत्सला / 7

एकाग्र : जिन जाना तिन माना

केसूभाई देसाई : कुरेशी का कुनबा / 9
लक्ष्मीशंकर व्यास : कविवर सियाराम शरण गुप्त / 14
निर्मला जैन : सिरा कहाँ है / 17
प्रभु जोशी : होने और बनने के बीच की झंझटें / 24
देवेन्द्र मेवाड़ी : साथ चलती हुई चीज़ें / 36
महेश दर्पण : उसके साथ जिया वह समय / 42

शब्द निवेश

गोपीचन्द नारंग : उर्दू ग़ज़ल में प्रेम की अनुभूति / 49
श्री रंग : समानान्तर हिन्दी कविता की दूसरी पीढ़ी / 53

कथालोक

स्वप्निल श्रीवास्तव : स्तूप / 60
जयनन्दन : निषिद्ध पथ के वांछित / 70
मनीषा कुलश्रेष्ठ : एक ढोलो दूजी मरवण... तीजो कसूमल रंग / 75
सुभाष चन्द्र कुशवाहा : अमीन मियाँ सनक गये हैं / 82

बीज की आवाज़

नसीम अख़्तर : अपराध / 81

लघुकथाएँ

चैतन्य त्रिवेदी : तात्पर्य, सम्बन्ध / 94

कविता इधर भी

ब्रजेश कानूनगो : तलाशी चौराहा, तमाशा, एक दिन / 90
सवाई सिंह शेखावत : काश, तुम्हारे हाथ / 91
नरेश टांक : एक बीमार बच्ची का आख़री बयान / 91
अभिनव निरंजन : निर्मल वर्मा के प्रति, रहस्य, चाह / 92
प्रतिभा गोटीवाले : बैतूल में बरसात, ह्विसल ब्लोवर्स के लिए-1, 2, यायावरी, पीले सितारे / 92

अन्तः भारती

मराठी कविता

नामदेव कोली : पक्का रिश्ता, थके माँदे माँ बाप की कविता / 95

गुजराती कविता

राजेश पंड्या / 96

पार अपार

मिलारेपा की कविताएँ : चयन एवं अनुवाद—तुलसी रमण / 97

अफ़्रीकी कविताएँ

एलिस वाकर की कविताएँ : अनुवाद—केवल गोस्वामी / 104

हर अंक विशेष

अक्टूबर 2015

भवदीय / 5

पुरखों के कोठार से

जैनेन्द्र कुमार : श्रीमती रमा जैन : संस्कृति-वत्सला / 7

एकाग्र : जिन जाना तिन माना

केसूभाई देसाई : कुरेशी का कुनबा / 9
लक्ष्मीशंकर व्यास : कविवर सियाराम शरण गुप्त / 14
निर्मला जैन : सिरा कहाँ है / 17
प्रभु जोशी : होने और बनने के बीच की झंझटें / 24
देवेन्द्र मेवाड़ी : साथ चलती हुई चीज़ें / 36
महेश दर्पण : उसके साथ जिया वह समय / 42

शब्द निवेश

गोपीचन्द नारंग : उर्दू ग़ज़ल में प्रेम की अनुभूति / 49
श्री रंग : समानान्तर हिन्दी कविता की दूसरी पीढ़ी / 53

कथालोक

स्वप्निल श्रीवास्तव : स्तूप / 60
जयनन्दन : निषिद्ध पथ के वांछित / 70
मनीषा कुलश्रेष्ठ : एक ढोलो दूजी मरवण... तीजो कसूमल रंग / 75
सुभाष चन्द्र कुशवाहा : अमीन मियाँ सनक गये हैं / 82

बीज की आवाज़

नसीम अख़्तर : अपराध / 81

लघुकथाएँ

चैतन्य त्रिवेदी : तात्पर्य, सम्बन्ध / 94

कविता इधर भी

ब्रजेश कानूनगो : तलाशी चौराहा, तमाशा, एक दिन / 90
सवाई सिंह शेखावत : काश, तुम्हारे हाथ / 91
नरेश टांक : एक बीमार बच्ची का आख़री बयान / 91
अभिनव निरंजन : निर्मल वर्मा के प्रति, रहस्य, चाह / 92
प्रतिभा गोटीवाले : बैतूल में बरसात, ह्विसल ब्लोवर्स के लिए-1, 2, यायावरी, पीले सितारे / 92

अन्तः भारती

मराठी कविता

नामदेव कोली : पक्का रिश्ता, थके माँदे माँ बाप की कविता / 95

गुजराती कविता

राजेश पंड्या / 96

पार अपार

मिलारेपा की कविताएँ : चयन एवं अनुवाद—तुलसी रमण / 97

अफ़्रीकी कविताएँ

एलिस वाकर की कविताएँ : अनुवाद—केवल गोस्वामी / 104

लगे हाथ
रमेश उपाध्याय : धर्म, संस्कृति और राजनीति का प्रबन्धन / 106
इब्बार रब्बी : अपने समय के दर्पण हैं—तुलसी राम / 108

थाह अथाह
ओम निश्चल : ऐश्वर्य की नहीं, संघर्ष की कथा / 111
अनंत विजय : फिर फिर इमरजेंसी / 114
अनिल पुष्कर : बाजारवाद का दु:स्वप्न / 116
पल्लव : डायरियों में संसार / 119

निन्दक नियरे राखिए
मुकेश कुमार : नीरो की बाँसुरी की तरह बजना / 122

सामयिकी
प्रियदर्शन : ख़ुद को बचाने के लिए / 124

संग-साथ
महेश्वर : याद आवेला अँखिया में भरेला पानी रे / 125

ख़ुशकलामियाँ
प्रस्तुति : माधव प्रसाद रतूड़ी / 126

आयोजन / 127

हमन दुनिया से यारी क्या
ज्ञान चतुर्वेदी : एक ख़ूबसूरत खंजर / 128

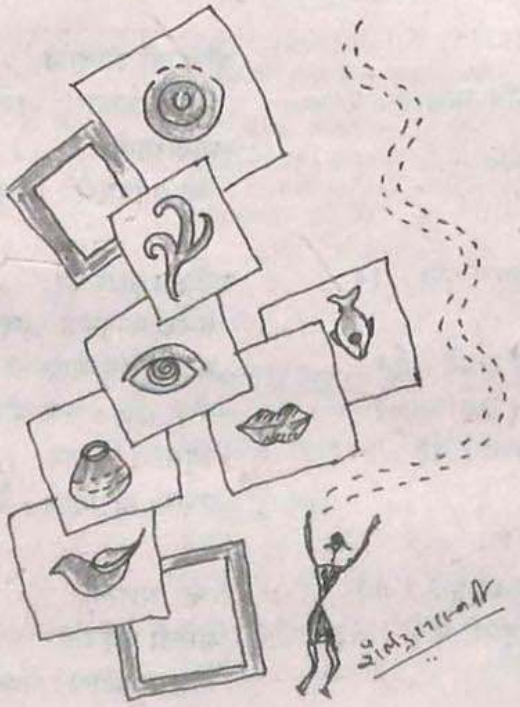

आवरण चित्र : मक़बूल फ़िदा हुसैन (इंटरनेट से साभार), भीतरी रेखांकन : शैलेन्द्र सरस्वती, आवरण व साज-सज्जा : चन्द्रकान्त शर्मा

हर अंक विशेष

उत्सव अंक नवम्बर 2015

भवदीय / 5

लैबे को एक न दैबे को दोऊ
सार्त्र ने नोबेल पुरस्कार लौटाते हुए कहा था! / 9

छवि देखूँगा जीवन-जन की
महेन्द्र राजा जैन : सिकन्दरिया / 14

रूसी कहानी
अन्तोन चेखव : प्रेम और पिता / 17

ब्रिटेन से हिन्दी कहानी
राबिक सदा : एक मुलाकात... मुल्तवी-सी / 20

यात्रा घर नहीं होती
नरेन्द्र नागदेव : ब्रूट्स... तुम भी? / 23

ग्रीस कविता
जॉर्ज दुअत्जिस : जंग, रुको / 29

अमेरिकी ब्लैक कविता
माया एंजलो : मैं उठ खड़ी होती हूँ, एक देवदूत का स्पर्श अपूर्व औरत, स्मृति, मैं जानती हूँ कि पिंजड़े में क़ैद चिड़िया क्यों गाती है / 30

जो है बिल्कुल अन्तरंग : डायरी
देवेन्द्र चौबे : यह, वह इतिहास तो नहीं / 33

बासी जो न होगी वो कहानी, सुन लो
रमाकान्त श्रीवास्तव : सन्धि, विग्रह और मित्रलाभ कथा / 40
राजेन्द्र दानी : सम्पन्नता / 47
नूर ज़हीर : जन्नत नसीबी / 53
क्षमा शर्मा : बात अभी ख़त्म नहीं हुई / 57
इक़बाल मज़ीद : एक जख़्मी छिपकली / 69

किस्सा मुख़्तसर
रामकुमार कृषक : असल पहचान / 46

लिखता हूँ असद
विजय कुमार : मौत से पहले / 76
अनूप सेठी : गेहूँ, तर्पण, रोज़नामचा / 77
बसन्त त्रिपाठी : नागपुर शहर (लम्बी कविता) / 78
प्रियदर्शन : जब तुम्हारे न रहने की ख़बर आई / 91
प्रदीप मिश्र : ग्रहों की कुंडली, चमचमाता हुआ भविष्य / 92
अरुणाभ सौरभ : गाँव की उदासी का गीत / 93
नरेन्द्र पुंडरीक : कविता की लौ / 94
ज्योतिकृष्ण वर्मा : दबे पाँव, अन्तर / 95
अशोक कुमार पांडेय : उनका मरना लाज़िम था / 95
अनवर शमीम : क़िस्सागो और हुंकारी के बीच, क़िस्सागो / 96
कलावन्ती : चालीस पार की औरतें / 97
मनीषा झा : राजा रानी, पहाड़ियों की रानी / 98

आलम की रोशनी
श्याम मुंशी : भोपाल उर्फ भूपाल : जो अब एक शहर है / 100
सुधीर विद्यार्थी : सुमिरनी अब कौन सुने / 106

शीरीं बयानी
गीत
हृदयेश्वर : शब्द उड़ते बिन पतों के, दिशाहारा बादल / 112
शिवकुमार अर्चन : भूख को चबैने, ये समय संवाद का है / 113
यश मालवीय : शब्द आदिवासी, याद आते हैं नईम / 114
अनिरुद्ध नीरव : इसके भी अतिरिक्त, शहर : वसन्त / 115
कुमार रवीन्द्र : दिन पंछी हैं, वही 'बन्धु' सगुना / 116
ग़ज़ल
ज़हीर कुरेशी / 117
सुधाकर अदीब / 117
अनिल पठानकोटी / 118
अशोक 'गुलशन' / 118
भरत तिवारी / 119

आते जाते लम्हों की सदा
मनमोहन सरल : फ़साना-ए-दिलीप कुमार / 122
शरद दत्त : हमारे दिलीप कुमार / 127

नोबल पुरस्कार
स्वेतलाना एलेक्सिएविच : मैं नि:संग इतिहासकार नहीं हूँ / 131

आयोजन / 133

लेखक-पाठक सर्वेक्षण 2015 / 134

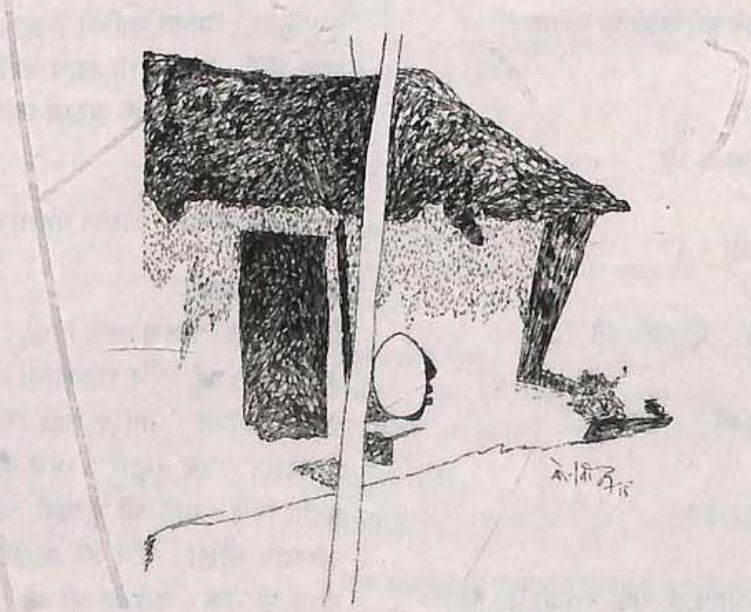

आवरण चित्र : अक्षय आमेरिया, भीतरी रेखांकन : कुमार रवीन्द्र, आवरण व साज-सज्जा : चन्द्रकान्त शर्मा

हर अंक विशेष

अंक दिसम्बर 2015

भवदीय / 5

पुरखों के कोठार से
ज्ञानपीठ को पत्र :
मुक्तिबोध के जीवन-कृतित्व पर
शमशेर बहादुर सिंह, श्रीकान्त वर्मा, गंगाप्रसाद विमल / 7

एकाग्र : भारतीय भाषाओं की कहानियाँ
बांग्ला कहानी
जीवनानन्द दास : कोहरे में मृत्य का समय / 15
मराठी कहानी
प्रतिमा जोशी : नारीलता / 22
ओड़िया कहानी
यशोधारा मिश्र : अपना-अपना प्रेम / 31
तेलुगु कहानी
टी. श्रीवल्ली राधिका : महासागर / 39
मैथिली कहानी
श्री श्याम दरिहरे : रक्तसम्बन्ध / 43
हिन्दी कहानी
रंजना श्रीवास्तव : मैं उम्र नहीं हूँ / 50
उर्दू कहानी
अहमद नदीम कासमी : बाबा नूर / 56

कविताएँ : भारतीय भाषाओं की
डोगरी
वेद राही : बुढ़ापा, कम्बल, खुबटी / 59
पद्मा सचदेव : मन करता है... / 59
नज़्में
जयन्त परमार : हुई मुद्दत कि ग़ालिब..., टैगोर, फूलों की घाटी
वान गॉग के ताज, आलू खानेवाले / 60
अख्तरुल ईमान : इस भरे शहर में..., प्रतीक्षा / 61
साक़ी फ़ारूक़ी : बिखरे हुए शहर / 61
निदा फ़ाज़ली : पिघला सूरज / 62
कन्नड़
जी.एस. शिवरुद्रप्पा : मैं लिखता हूँ, सम्भव / 62
मलयालम
बी. संध्या : व्यास पर्व / 63
असमिया
नीलमणि फुकन : आकाश / 64
नवकान्त बरुआ : अज्ञातवास की पूर्व निशा / 64
पंजाबी
अमरजीत घुम्मण : मेरा दोष, एक नाम, यदि / 65
अँग्रेज़ी
प्रभाकर कोलते : चार कविताएँ / 66
हिन्दी
रंजना पोहनकर : राग भैरवी, राग मारवा / 67

कथा मुख़्तसर
बलराम अग्रवाल : गुलाब / 69

कला परिसर
शशांक दुबे : सारंगा तेरी याद में / 70
कुमार अनुपम : कविता और चित्रकला के समन्वय-सूत्र / 72

संवाद
चित्रकार मनीष पुष्कले से राकी गर्ग की बातचीत / 79

थाह अथाह
विष्णुचन्द्र शर्मा : कन्धों पे एक गर्म दुशाले की तरह / 83
डॉ. धनंजय वर्मा : अनूप की अशेष रचनात्मकता / 85
पुरुषोत्तम अग्रवाल : बहते हुए नहीं तैरते हुए... / 87
मदन कश्यप : कविता में सार्थक हस्तक्षेप / 90
अर्पण कुमार : पूर्वोत्तर भारत के परिवेश में रचित प्रेम और प्रवास की कहानियाँ / 91
अनन्त विजय : विभाजन की विरासत / 94

लगे हाथ
रमेश उपाध्याय : भूमंडलीकृत भारत में गौरांगवाद / 97

स्मृति : वीरेन डंगवाल
अरविन्द त्रिपाठी : अचानक उठकर चले जाने की खामोशी / 99

संग साथ
महेश्वर : / 102

हमन दुनिया से यारी क्या
ज्ञान चतुर्वेदी : सिद्धहस्त माली / 103

आयोजन / 105

चिट्ठीरसा / 106

लेखक-पाठक सर्वेक्षण 2015 / 108

ख़ुशकलामियाँ / 111

आवरण चित्र : राखी कुमार, भीतरी रेखांकन : सन्दीप राशिनकर, आवरण व साज-सज्जा : चन्द्रकान्त शर्मा